हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 72 | जौनपुर, गुरुवार 07 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

आंबेडकर का अपमान करने वालों के बारे में गांव–गांव जाकर बताना होगा : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि भारत विरोधी गतिविधियों के जरिए समाज को विभाजित कर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे लोग आंबेडकर का अपमान कर रहे हैं। सबको इस बारे में गांव–गांव जाकर बताना होगा। मुख्यमंत्री ने डॉक्टर आंबेडकर के 67 वें परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने एक बात कही थी कि हम सबसे पहले भारतीय हैं। आज जब कुछ लोग भारत को कोसते हैं, भारतीयता का अपमान करते हैं, जाति के नाम पर समाज में खाई को चौड़ा करने का काम करते हैं, तो वे एक प्रकार से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का हर एक काम देश के नाम था। जो लोग आज भारत विरोधी गतिविधियों के

माध्यम से समाज को विभाजित करते हैं, भारत को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, वह बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का अपमान करते हैं। हम सबको इस बारे में गांव–गांव जाकर बताना होगा। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा, पहले की सरकार में चेहरा देखकर कार्रवाई करती थीं। चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ देती थीं। कोई दलित समर्थक होता था तो कोई दलित विरोधी हो जाता था। जो विरोधी थे वे तो विरोध में थे ही, लेकिन जो समर्थक बनने का काम करते थे वह भी दलितों के पक्ष में काम नहीं कर पाते थे। वे दलितों के नाम पर अपनी रोटी तो सेंकते थे लेकिन गरीबों और वंचितों के लिए कोई प्रभावी कार्यक्रम तैयार नहीं कर पाए थे। मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर समाज के सभी वर्गों के लिये बिना किसी भेदभाव के काम करने का दावा किया और कहा, श्पहली बार आपने देखा होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जाति, मत, मजहब को महत्व दिए बिना एक नारा दिया–सबका साथ, सबका विकास। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी वर्गों को योजनाओं के साथ जोड़ा है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के सपनों को सही मायनों में अंगीकार करने और 26 नवंबर की तिथि को संविधान दिवस के रूप में स्थापित करने का काम भी अगर किसी ने किया है तो वह प्रधानमंत्री मोदी ने ही किया है। आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार हर गरीब, दलित और वंचित के साथ खड़ी है और उन्हें उनका अधिकार देने के लिए तैयार है। उन्होंने पिछली सरकारों पर तंज करते हुए कहा, क्या पहले कभी कोई मुसहर, वनटांगिया, चेरो, थारू, कोल, अहरिया और सहरिया जाति के लोगों के बारे में पूछता था? यह सभी ऐसी छोटी–छोटी जातियां हैं जो एक सीमित क्षेत्र में हैं। उनकी आवाज दबा दी जाती थी जबकि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने उनके उत्थान के लिए कार्य योजना बनाने की बात कही थी। आज मुझे बताते हुए खुशी है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार 'सबका साथ, सबका विकासश के लक्ष्या के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में डॉक्टर आंबेडकर अपनी आवाज बुलंद करने के इच्छुक हर दबेकृकुचले व्यक्ति के लिये प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा, श्दुनिया में जहां कहीं भी जब भी किसी दबे–कुचले समाज की आवाज को बुलंद करने की बात आती है तो लोगों के दिमाग में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का ही नाम आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टर आंबेडकर के सपनों को साकार करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार अनेक कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा ''सरकार हर दलित, वंचित और गरीब के साथ खड़ी है और उसे संबल प्रदान करेगी।

आतंकवाद से निपटा जाता तो कश्मीरी पंडितों को घाटी नहीं छोड़नी पड़ती, लोकसभा में बोले अमित शाह

एजेन्सी

नयी दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज तीसरा दिन है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर से संबंधित जिन दो विधेयकों पर

सदन में विचार हो रहा है, वे उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाये गये हैं जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया। उन्होंने जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों का दर्द समझते हैं तथा एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने पिछड़ों के आंसू पोंछे हैं। शाह ने कहा कि विधेयक पर चर्चा में पक्ष–विपक्ष के 29 वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन किसी ने भी इस विधेयक के तत्व का विरोध नहीं किया और विधेयक के उद्देश्य के साथ किसी ने असहमति नहीं जताई है। उनका कहना था कि ये दोनों विधेयक उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाये गये हैं जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया विधेयक का नाम बदलने के कुछ विपक्षी सदस्यों के सवाल पर गृह मंत्री ने कहा, ''नाम के साथ सम्मान जुड़ा है, इसे वही लोग समझ सकते हैं, जो पीछे छूट गए लोगों को संवेदना के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं। मोदी जी ऐसे नेता हैं, जो गरीब घर में जन्म लेकर देश के प्रधानमंत्री बने हैं, वह पिछड़ों और गरीबों का दर्द जानते हैं। वो लोग इसे नहीं समझ सकते, जो इसका उपयोग वोटबैंक के लिए करते हैं। शाह ने कहा, ''यह वो लोग नहीं समझ सकते हैं जो लच्छेदार भाषण देकर पिछड़ों को राजनीति में वोट हासिल करने का साधन समझते हैं। प्रधानमंत्री पिछड़ों और गरीब का दर्द जानते हैं। उन्होंने कश्मीरी पंडितों के विस्थापन का उल्लेख करते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति किए बगैर अगर आतंकवाद की शुरुआत में ही उसे खत्म कर दिया गया होता तो कश्मीरी विस्थापितों को कश्मीर छोड़ना नहीं पड़ता। शाह के अनुसार, पांच–छह अगस्त, 2019 को कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने के संबंध में जो विधेयक संसद में लाया गया था उसमें यह बात शामिल थी और इसलिए विधेयक में 'न्यायिक परिसीमन की बात कही गई है। गृह मंत्री का कहना था, ''अगर परिसीमन पवित्र नहीं है तो लोकतंत्र कभी पवित्र नहीं हो सकता। इसलिए हमने विधेयक में न्यायिक परिसीमन की बात की है।

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी, खडगे ने अंबेडकर की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने बुधवार को डॉ. भीम राव अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति धनखड़, पीएम मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कई अन्य सांसदों ने संसद परिसर में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बाबा साहेब भारतीय संविधान के निर्माता होने के साथ–साथ सामाजिक समरसता के अमर समर्थक थे, जिन्होंने अपना जीवन शोषितों और वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। आज उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि।'' खडगे ने एक्स पर लिखा, हम सबसे पहले और सबसे आखिरी में भारतीय हैं – बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर। बाबासाहेब स्वतंत्रता,

समानता, बंधुत्व और न्याय के लोकतांत्रिक सिद्धांतों के आजीवन समर्थक थे। खडगे ने कहा, उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर हम सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक न्याय के उनके विचारों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हैं। हमें सामूहिक रूप से राष्ट्र के लिए उनके बेहतरीन योगदान – भारत के संविधान को संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। अम्बेडकर ने मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जवाहरलाल नेहरू की प्रारंभिक कैबिनेट में कानून और न्याय मंत्री के रूप में भी कार्य किया। दलित पृष्ठभूमि से आने वाले अम्बेडकर भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल करने में सफल रहे। उन्होंने वंचितों के अधिकारों की वकालत की। 1956 में उनके निधन के बाद से, उनके विचारों की सराहना का विस्तार हुआ है।

श्रीनगर में पारा शून्य से दो डिग्री नीचे, मौसम की सबसे सर्द रात

एजेन्सी

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार को माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कहा कि बुधवार तड़के श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 2.2 डिग्री और पहलगाम में माइनस 5. 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, जम्मू में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री, कटरा में 8.4 डिग्री, बटोटे में 3.6 डिग्री, भद्रवाह में 1.4 डिग्री और बनिहाल में 0.8 डिग्री सेल्सियस रहा। कड़ाके की ठंड की 40 दिनों की लंबी अवधि जिसे चिल्लई कलां के नाम से जाना जाता है, हर साल 21 दिसंबर को शुरू होती है और 30 जनवरी को समाप्त होती है।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बोले, राम मंदिर का ग्राउंड फ्लोर तैयार

एजेन्सी

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य अपने आखिरी दौर पर है। 22 जनवरी 2024 को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त भी निकल आया है। इस पर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम के 5 वर्षीय बाल रूप की पत्थर की खड़ी प्रतिमा 4 फीट 3 इंज का निर्माण अयोध्या के 3 तीन स्थानों पर किया जा रहा है। तीन कारीगर इसे तीन अलग–अलग पत्थरों में बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये प्रतिमायां करीब 90 प्रतिष्ठित तैयार हैं, एक सप्ताह का फिनिशिंग का काम बाकी है। मूर्ति को भूतल पर गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। मंदिर का ग्राउंड फ्लोर लगभग तैयार हो चुका है इसलिए श्प्राणप्रतिष्ठाश में कोई समस्या नहीं होगी... श्प्राणप्रतिष्ठाश समारोह में कम से कम 4000 संतों को आमंत्रित किया जा रहा है। सूची तैयार है...और कोशिश की जा रही है कि 50 देशों से एक–एक प्रतिनिधि भी जरूर आएं।चंपत राय ने कहा कि रामलला की पूजा के लिए चयनित आचार्यों का प्रशिक्षण शुरू हो गया। यह प्रशिक्षण रंगवाटिका में शुरू हुआ है। मंगलवार को प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 24 वेदपाठी आचार्य आज यहां पहुंचे। ये सभी रंगवाटिका में ही निवास करेंगे। इन आचार्यों को प्रशिक्षण अयोध्या के आचार्यों के साथ विशेषज्ञ देंगे। इन्हें रामलला के पूजापाठ, रागभोग सहित सभी आयामों में प्रवीण बनाया जाएगा। यह जानकारी तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े गोपालजी ने दी। उन्होंने बताया कि सभी प्रशिक्षु पहुंच गए हैं। बता दें कि श्रीराम की भव्य मूर्ति बनाने के लिए देश के अलग–अलग कोनों से शिलाएं लाई गई हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का कार्य अपने आखिरी चरण में है।

तापमान में गिरावट व बदलते मौसम से किसान रहे सावधान

एजेन्सी

अयोध्या। तापमान गिरने और लगातार मौसम में बदलाव से इस समय आलू की फसल में कई तरह के रोग लगने की संभावना बनी हुई हैं। अगर समय रहते इनका प्रबंधन न किया गया, तो आलू की खेती करने वाले किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. रवि प्रकाश मौर्य ने बताया कि मौसम की अनुकूलता तथा बदली होने पर आलू की फसल में फंफूद का संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। जो झुलसा रोग का प्रमुख कारण होता है। झुलसा रोग दो प्रकार के होते हैं। अगेती झुलसा और पछेती झुलसा।

केशव प्रसाद मौर्य बोले, रामलला के दर्शन भव्य मंदिर में कर गौरवान्वित होगा देश

एजेन्सी

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को कहा कि सैकड़ों साल के इंतजार के बाद आज ही के दिन अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ था और वह दिन मे दूर नहीं जब पूरा देश मंदिर में रामलला विराजमान के दर्शन का लाभ उठा सकेगा। मौर्य ने कहा कि आज के दिन अयोध्या में विवादित ढांचे को ध्वस्त कर रामलाल के मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ था यह हर्षोल्लास का वातावरण यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि अब वह दिन दूर नहीं जब 22 जनवरी 2024 को हर भारतवासी रामलाल के भव्य मंदिर के अंदर भगवान के स्वरूप का दर्शन कर अपने को गौरवांवित महसूस करेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन आज विपक्षी नेताओं का एक गैंग बनकर रह गया है

मगर वे 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से रोकने में सफल नहीं होंगे। मोदी की लोकप्रियता का ग्राफ निरंतर उच्च शिखर पर पहुंचता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 2019 में 300 सीटों का आंकड़ा पार किया था जबकि 2024 के आम चुनाव में राजग के खाते में 400 से ज्यादा सीटें होंगी। इससे पहले बुलंदशहर के खुर्जा में आयोजित दो दिवसीय विधानसभा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में उन्होंने विस्तारकों को संबोधित किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में पीएम मोदी का गारंटी कार्ड चला, जिससे हमने एक राज्य में अपनी सरकार बचाई, जबकि दो राज्यों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने का काम किया। इंडिया गठबंधन की बैठक में हिस्सा न लेने और बिना नाम लिए कांग्रेस पर तंज कसने वाले अखिलेश के बयान पर उन्होने कहा '' अहंकार सिर्फ राहुल ही नहीं बल्कि अखिलेश यादव का भी खत्म होना चाहिये। उन्होंने कहा कि पूर्व में सपा, बसपा, रालोद और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़े थे, फिर भी जनता ने इन्हें एक साथ नकारने का काम किया। उन्होने कहा' हमने जनता से भ्रष्टाचार मुक्त भारत का जो वादा किया था उसे पूरा किया। कांग्रेस में भ्रष्टाचार पनपा और सपा में अपराध, सपा के कार्यकाल में बिजली आती नहीं थी, और हमारी सरकार में बिजली जाती नहीं है। मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार ने सुशासन, महिला सशक्तिकरण, विकास, गरीब–कल्याण और किसान उत्थान का वादा पूरा किया है।

चुनाव से पहले झूठे वादे करती है भाजपा : ममता बनर्जी

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उसे देश में ''सबसे बड़ा जेबकतरा करार दिया। साथ ही, उसे चुनाव से पहले मतदाताओं को झांसा देने वाला दल बताया। उत्तर बंगाल के लिए रवाना होने से पहले यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में बनर्जी ने कहा कि भाजपा के लिए ''राजनीतिक दाना–पानी को लेकर केंद्रीय एजेंसियां बार–बार राज्य का दौरा करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे (भाजपा) देश में सबसे बड़े जेबकतरे हैं और लोगों को इसके कारण सबसे ज्यादा परेशानी हुई है। प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 15 लाख रुपये भेजने के उनके वादे, फिर नोटबंदी, महामारी के दौरान मुश्किलें...उन्होंने चुनाव से पहले झूठे वादे कर लोगों को झांसा दिया। बनर्जी ने कहा, ''हम (तृणमूल कांग्रेस) उनसे अलग हैं।

विधान भवन में राकांपा कार्यालय हमारा है, अजित पवार गुट के अलग होने को लेकर बोले अनिल देशमुख

एजेन्सी

नागपुर। शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि नागपुर में राज्य विधानसभा 'विधान भवन में पार्टी का कार्यालय उनके गुट का है न कि अजित पवार की अगुवाई वाले गुट का। यहां महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र की पूर्व संध्या पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री ने अजित पवार गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि राकांपा को छोड़कर जा चुके लोगों को विधानसभा अध्यक्ष से विधान भवन में उनके लिए एक अलग कार्यालय की व्यवस्था करने का अनुरोध करना चाहिए। शीतकालीन सत्र सात से 20 दिसंबर तक चलने की संभावना है। अजित पवार और आठ विधायकों के दो जुलाई को महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना की सरकार में शामिल होने के बाद राकांपा दो धड़ों में बंट गयी थी। इसके बाद से राकांपा के दोनों धड़ों ने पार्टी के नाम और चिह्न पर दावा जताया है। यह पूछने पर कि विधान भवन में राकांपा कार्यालय किस धड़े के पास होगा, इस पर देशमुख ने कहा, ''पार्टी कार्यालय केवल हमारा है। पार्टी कार्यालय हमारा ही रहेगा और जो लोग हमारी पार्टी छोड़कर चले गए हैं उन्हें अध्यक्ष से उनके लिए कोई और व्यवस्था करने का अनुरोध करना चाहिए। यह पहले से ही हमारा कार्यालय है। अजित पवार धड़े के नेता धर्मराव बाबा आत्राम ने दावा किया है कि यह कार्यालय उनके गुट का है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह 12 दिसंबर को राकांपा की 'युवा संघर्ष यात्रा के समापन के अवसर पर नागपुर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। राकांपा के शरद पवार गुट से ताल्लुक रखने वाले देशमुख ने कहा कि तीनों नेता नागपुर के झिरो माइल इलाके में जनसभा को संबोधित करेंगे। विभिन्न मुद्दों को उठाने के लिए यह यात्रा 24 अक्टूबर को कर्जत–जामखेड सीट से राकांपा विधायक रोहित पवार के नेतृत्व में पुणे से शुरू हुई थी। विधायक ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर कहा कि पदयात्रा नागपुर के लगभग 120 किमी करीब पहुंच गई है। राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान 800 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद यात्रा का समापन नागपुर में होगा। उन्होंने कहा कि 12 दिसंबर को नागपुर में जनसभा के दौरान शरद पवार, ठाकरे और दिग्विजय ''मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे, वहीं राकांपा, शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस सहित महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के नेताओं को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस दिन राकांपा संस्थापक 83 वर्ष की आयु के हो जाएंगे। देशमुख ने कहा कि राकांपा बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों के लंबित मुआवजे का मुद्दा उठाएगी और कपास तथा सोयाबीन के लिए उच्चतर 'न्यूनतम समर्थन मूल्यश (एमएसपी) की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल अपने ज्ञापन के साथ सरकारी अधिकारियों से मिलेगा। देशमुख ने यह भी कहा कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ कई विधायक स्वेच्छा से गठबंधन सरकार में शामिल नहीं हुये थे।

जम्मू: प्राइवेट स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

एजेन्सी / जम्मू। बेंगलुरू के बाद अब जम्मू के प्राइवेट स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। प्राइवेट स्कूल के एक अधिकारी को धमकी भरी कॉल आई है। कॉल आने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची हैं और स्कूल में तलाशी जारी है।

उत्तराखंड में पहाड़ों पर बदला मौसम, ऊंचाई इलाकों में जम कर हुई बर्फबारी

एजेन्सी

बागेश्वर। उत्तराखंड में मौसम बदल गया है। राज्य के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ, बदरीनाथ में बर्फबारी के चलते पहाड़ों पर सफेद चादर बिछ गई है। पहाड़ियां चांदी सी चमक रही हैं। केदारनाथ धाम में तो 1 फीट तक बर्फ जम गई है, जिसके कारण वहां चल रहे निर्माण कार्य को रोकना पड़ा है। इतना ही नहीं केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में रात का तापमान माइनस 8 तक पहुंच गया है, जिसके कारण वहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके अलावा उच्च पहाड़ी इलाकों में भी बर्फबारी का दौर जारी है। बागेश्वर जिले में भी बर्फबारी हो रही है। बागेश्वर जिले के कपकोट तहसील के पिंडर घाटी में ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी हुई है। बागेश्वर के चिल्ठा चॉप की चोटियां बर्फ से ढक गई हैं। राज्य में तापमान तेजी से गिरता जा रहा है, मैदानी इलाकों में भी तापमान कम होने लगा है।

सम्पादकीय

राजस्थान के भाजपायी विधायक एक्शन में

जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे निकले हैं, उनमें से एक राजस्थान भी है जहां भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर जीत हासिल की है। अभी वहां न तो सरकार बनी है और न ही मुख्यमंत्री चुने गये हैं, परन्तु उसके विधायक सक्रिय हो गये हैं। उनके एक विधायक कह रहे हैं कि वे माफियाओं को ढूंढ–ढूंढकर नाश्ते में खायेंगे, तो एक अन्य विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी नॉन वेज दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिये पुलिस अधिकारियों को फरमान जारी कर रहे हैं। विकास की बजाय उदयपुर के कन्हैयालाल की मौत के आधार पर भाजपा के पक्ष में जनादेश का सम्भवतरू यही साइड इफेक्ट हो सकता है। भाजपा की जीत का यह तत्काल प्रभाव भी कहा जा सकता है। अगर भाजपा के विधायक और नेता अपनी सरकार बनने से ताकत पाकर अभी से ऐसी हरकतें कर रहे हैं तो आने वाले समय में और भी कई उदाहरण देखने को मिल सकते हैं। कहा जा सकता है कि पार्टी तो अभी शुरू हुई है, लेकिन ऐसे बयानों के चलते राज्य का सामाजिक माहौल कैसा बनेगा, उसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। जयपुर के हवामहल से महज 600 वोटों से जीतने वाले बालमुकुंद आचार्य ने विधायक पद की शपथ लिये बिना ही सोमवार को स्थानीय पुलिस को आदेश दे दिया कि शाम तक उनके क्षेत्र के नॉन वेज के सारे ठेले हटाये जायें। उन्होंने पुलिस से कहा कि उनके लाइसेंसों की जांच की जाये और उन्हें दिखलाया जाये। आचार्य ने पुलिस अधिकारियों से यह भी पूछा कि वे स्वयं रिपोर्ट देंगे या उन्हें पुलिस स्टेशन आना पड़ेगा? राजस्थान मिली–जुली संस्कृति का प्रदेश है जहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं। जाहिर है कि उनकी जीवन शैलियों में भी भिन्नता है। खान–पान सम्बन्धी रुचियां भी अलग–अलग हैं। चाहे शाकाहार हो या मांसाहार– सभी धर्मों के लोगों की जीवन पद्धति में दोनों ही तरह के भोजन शामिल हैं। धाम पीठाधिश्वर कहे जाने वाले बालमुकुंद आचार्य का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे अपने मोबाइल पर किसी अधिकारी को निर्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं कि चांदी की टकसाल रोड पर मांसाहार की दुकानें हटा दी जायें। इस सड़क पर जितने भी ठेले खुले में नॉन वेज पदार्थ बिक रहे हैं, वे दिखने नहीं चाहिये। इस वीडियो के वायरल होने के बाद उन्होंने सफाई दी कि वे किसी को धमका नहीं रहे हैं बल्कि निवेदन कर रहे हैं। फिर भी उन्होंने साफ किया कि उन्हें विधायक बनने का सर्टिफिकेट मिल गया है और अब वे किसी मुहूर्त का इंतजार नहीं करेंगे। उनका यह भी आरोप था कि कांग्रेस शासन में अधिकारी टालमटोल करते थे परन्तु वे इस बात को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनका कहना था कि उनके क्षेत्र के लोग खुले में मांस का व्यवसाय होते देखना पसंद नहीं करेंगे। उनकी शिकायत थी कि इसकी आड़ में गोमांस का भी कारोबार होता है। बालमुकुंद आचार्य अखिल भारतीय संत समाज की राजस्थान शाखा के प्रमुख हैं। वे हर ऐसे मामले में हिन्दुओं का पक्ष लेने पहुंचते हैं जहां किसी भी प्रकार का साम्प्रदायिक टकराव होता है। पिछले दिनों वे अपने एक और बयान के लिये चर्चा में आये थे जिसमें उन्होंने कहा था कि जयपुर के परकोटा क्षेत्र में बड़ी तादाद में मंदिर थे जिन्हें नष्ट किया जा चुका है। उन्होंने ऐसे सैकड़ों मंदिरों के उनके पास प्रमाण होने का भी दावा किया था। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे हर रोज ऐसे ही एक मंदिर में जायेंगे जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। इन मंदिरों के पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार का भी उन्होंने संकल्प ले रखा है। देखना यह होगा कि विधायक बनने के बाद अपने बढ़े हुए रसूख व शक्तियों के साथ वे अपने अभियान को कैसा और किस तरह का अंजाम देते हैं। अब तो सरकार भी उनकी है और यह भी सम्भव है कि वहां बाबा बालकनाथ को मुख्यमंत्री बना दिया जाये। फिर तो उनका संकल्प पूरा होकर ही रहेगा। उधर दूसरी तरफ जयपुर की ही झोटवाड़ा सीट पर जीते भाजपा नेता कर्नल (सेवानिवृत्त) राज्यवर्धन राठौड़ ने चेतावनी जारी कर दी है कि वे अब माफियाओं को ढूंढ–ढूंढकर निकालेंगे और नाश्ते में खाएंगे। उनका भी एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे कहते हैं–मैं माफियाओं को नाश्ते में खाता हूं। जितने माफिया हैं वे कान खोलकर सुन लें कि अगर वे मुझको रोक सकते हैं तो रोक लें। अगर नहीं रोक सकते तो मैं माफियाओं को ढूंढ–ढूंढकर निकालूंगा, नाश्ते में खाऊंगा। हिम्मत है तो मुझे रोककर दिखा दो। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की निवर्तमान अशोक गहलोत सरकार ने लोगों के पक्ष में अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की थीं। राज्य के लोगों के लिये 450 रुपये में रसोई गैस का सिलेंडर दिया जा रहा था। साथ ही अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने का भी ऐलान हुआ था। उनके द्वारा चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना भी लाई गई थी जिसके अंतर्गत किसी भी तरह की बीमारी का 50 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त किया जा रहा था। पहले यह राशि 25 लाख रुपये तक थी जिसे बाद में बढ़कर 50 लाख किया गया था। इसके मुकाबले भाजपा ने कन्हैयालाल नामक व्यक्ति की हत्या को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साम्प्रदायिकता व ध्रुवीकरण को राजस्थान की जनता ने अपनी पसंद बतलाकर भाजपा के पक्ष में बड़ा समर्थन दिया।

इंडिया गठबंधन : कैसा बंधन

सफल लोकतन्त्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और मजबूत विपक्ष को प्रजातन्त्र की मजबूती भी कहा जाता है। इसका एक ही कारण होता है कि लोकतन्त्र में जनता द्वारा चुनी गई सरकार जनता के लिए ही काम करती है। यह कार्य वह शासक भाव से नहीं बल्कि सेवाभाव से करती रहे इसके लिए जनता द्वारा चुना गया विपक्ष ही उसकी निगरानी भी करता है अतः सरकार को लगातार सेवाभाव में देखने का काम विपक्ष ही करता है क्योंकि वह भी सत्तारूढ़ पक्ष की तरह ही जनता द्वारा विभिन्न लोकतान्त्रिक सदनों में चुनकर भेजा जाता है। भारत की संसदीय प्रणाली में चुने हुए सदनों के भीतर सत्ता पक्ष और विपक्ष में सन्तुलन बनाये रखने के लिए इन्हें चलाने के ऐसे नियम बनाये गये जिससे कभी भी सरकार सेवाभाव की जगह शासक भाव में न जा पाये। इसकी तफ्सील में जाना इस सम्पादकीय में संभव नहीं है क्योंकि आज देश के सामने तो 'विपक्ष' की ही समस्या है। 28 विपक्षी दलों को जोड़कर जो 'इंडिया गठबन्धन' इसी साल के जून महीने में बनाया गया था वह पहले ही झटके में तार–तार होता नजर आ रहा है और इसके सिपाही आपस में ही एक–दूसरे के खिलाफ तलवारें खींचते नजर आ रहे हैं। सबसे पहले यह स्पष्ट होना जरूरी है कि इस गठबन्धन का गठन ही केन्द्र में मजबूत विपक्ष खड़ा करने के उद्देश्य से हुआ था। हाल में हुए विधानसभा चुनावों में इस गठबन्धन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान हारने से इसमें शामिल अन्य दल इतने निराश हो गये हैं कि उन्हें सारा दोष कांग्रेस पर ही मढ़ने में ही अपनी 'विजय' नजर आ रही है। इससे अन्दाजा लगाया जा सकता है कि वर्तमान राजनीतिज्ञों की सोच कितनी निजपरक और संकीर्ण दृष्टि की है। मगर इंडिया के अधिसंख्य क्षेत्रीय दलों को यह भी नजर आ रहा है कि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की चन्द्रशेखर राव सरकार को किस तरह हराया है। भारत राष्ट्र समिति एक क्षेत्रीय पार्टी है। अभी तक यह अवधारणा बनायी जाती थी कि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों को उनके अपने घर में नहीं हरा सकती। तेलंगाना जीतकर कांग्रेस ने इस अवधारणा को गलत साबित कर दिया है। दरअसल इंडिया गठबन्धन लोकसभा चुनावों के लिए बना था। विधानसभा चुनावों के लिए यह गठबन्धन नहीं था। इसका मतलब यह हुआ कि कांग्रेस के सहयोगी दलों को इन चुनावों में उसे समर्थन देना चाहिए था मगर बजाय समर्थन के कई दलों में कांग्रेस प्रत्याशियों के विरोध में अपने उम्मीदवार उतार दिये। आम आदमी पार्टी तो मिजोरम तक में जाकर चुनाव लड़ी जबकि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश में 70 स्थानों पर चुनाव लड़ा। राजस्थान में भी आप पार्टी ने अपने प्रत्याशी उतारे।

बेशक लोकतन्त्र में हर पार्टी को चुनाव लड़ने का अधिकार होता है मगर आपस में तालमेल बैठाने या दोस्ती करने का फैसला तो राजनैतिक पार्टियां खुद ही करती हैं। अतः केवल एक दल को कैसे जिम्मेदार बनाया जा सकता है। जबकि किसी भी राजनैतिक गठबन्धन की हकीकत यह होती है कि इसमें विभिन्न विचारधाराओं व सिद्धान्तों की पार्टियां एक साझा मंच तैयार करती हैं जिससे वह अपने से मजबूत समझे जा रहे सत्तारूढ़ दल का मुकाबला कर सकें। अतः गठबन्धन में प्रत्येक पार्टी को अपने निजी हित छोड़कर समग्र हितों के बारे में सोचना होता है लेकिन यहां तो गजब हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस की सर्वेसर्वा ममता बनर्जी कह रही हैं कि क्या मुझसे पूछकर खड़गे जी ने 6 दिसम्बर को इंडिया की बैठक बुलाई थी। अखिलेश यादव इसी बात पर बिफरे बैठे हैं कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नेता श्री कमलनाथ ने उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए सीटें क्यों नहीं दी? आखिरकार यह बैठक ही रद्द कर दी गई। इससे यही साबित होता है कि ये क्षेत्रीय दल तेलंगाना में कांग्रेस की जीत से खुश नहीं हैं और उत्तर भारत के तीन राज्यों में हुई उसकी पराजय को पूरे इंडिया गठबन्धन की गांठें खोलने वाला मान रहे हैं। यह नजरिया न तो गठबन्धन का हो सकता है और न देश में मजबूत विपक्ष खड़ा करने का। यदि लोकतन्त्र को भारत में मजबूत बनाना है तो सभी विपक्षी राजनैतिक दलों को सबसे पहले अपने स्वार्थ छोड़ने होंगे और देश को सर्वोपरि मानना होगा। ऐसा नहीं है कि विपक्ष की राजनीति में गठबन्धन का प्रयोग भारत में पहली बार हो रहा है। सबसे पहले 1967 में नौ राज्यों में गैर कांग्रेसी सरकारों का गठन इसी सिद्धान्त के तहत हुआ था। उसके बाद 1971 के लोकसभा चुनावों में भी इंदिरा गांधी के खिलाफ प्रमुख विपक्षी दलों ने गठबन्धन किया था जिसे 'चौगुटा' कहा गया था। इसके बाद 1977 के चुनावों में भी सभी प्रमुख विपक्षी दलों ने पहले गठबन्धन और बाद में जनता पार्टी बनाई। इसके बाद भी 80 व 90 के दशक में कई गठबंधन बने मगर सभी बाद में बिखर भी गये लेकिन चुनाव भी कई बार सब ने मिल कर लड़े और वे सत्ताधारी दल को पराजित करने में भी कई बार समर्थ साबित हुए लेकिन आज 2023 का अंत चल रहा है और राजनीतिक का कलेवर पूरी तरह से बदल चुका है लेकिन जो नहीं बदला है वह विपक्षी दलों खासकर क्षेत्रीय दलों का वह नजरिया जिसमें उनकी निगाह सिर्फ अपने राज्य की लोकसभा सीटों पर रहती है। यह नजरिया बदला जाना चाहिए और स्वीकार किया जाना चाहिए कि राष्ट्रीय चुनाव लड़ने के लिए उन्हें किसी राष्ट्रीय विपक्षी दल के नजरिये की ही जरूरत पड़ेगी।

सकारात्मकता का पाठ सिखाते मोदी

डॉ. दीपक पाचपोर

पांच में से तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में रविवार को मिली छप्पर फाड़ जीत से गदगद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब अगले ही दिन संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे, तो वे उत्साह से इस कदर लबरेज थे कि उन्होंने संसद के द्वार पर विपक्ष को श्सकारात्मकताश का संदेश दिया और नफरत का भाव त्यागने की भी सलाह दी। उन्होंने विपक्ष को समझाया कि श्ऐसा करने से देश का उनके प्रति नजरिया बदलेगा जिसका उन्हें (प्रतिपक्ष को) इसलिये राजनैतिक लाभ भी मिलेगा क्योंकि जनता उनसे (विरोधी दलों से) मोहब्बत करने लगेगी।श प्रधानमंत्री की उन्हें यह भी सलाह थी कि वे विरोध के लिये विरोध छोड़ें। तीन राज्यों में मिली पराजय का गुस्सा छोड़कर विपक्ष को चर्चा में भाग लेने के प्रति आगाह करते हुए पीएम ने उनसे सरकार की कमियों पर सलाह देने के लिये भी आमंत्रित किया। उन्होंने यह भी इशारा किया कि विपक्षी दलों का यह रवैया पिछले नौ वर्षों से चला आ रहा है। जाहिर है कि वे इन शब्दों में अपने ही कार्यकाल का उल्लेख कर रहे थे। एक मजबूत एवं सामर्थ्यवान विपक्ष की जरूरत बतलाकर मोदी ने सबको चकित भी कर दिया। प्रधानमंत्री के ये परामर्श ऊपरी तौर पर तो बेहद नेक नजर आते हैं और कोई भी यह नहीं कह सकता कि इस सीख को विरोधी नेताओं को नहीं अपनाना चाहिये। सवाल तो यह है कि क्या स्वयं मोदी इस कथित नकारात्मकता के भाव से ऊपर उठ चुके हैं? क्या उनमें विरोधी दलों एवं उनके नेताओं के प्रति नफरत का भाव कूट–कूटकर नहीं भरा हुआ है? सकारात्मकता का काढ़ा पिलाने की कोशिश करने वाले मोदी अगर ईमानदारी से अपने इन विचारों और खुद के आचरण पर ही गौर फरमाएं तो पाएंगे कि उनकी कथनी और करनी में धरती–आकाश सा फासला है। फिर भी, क्या ही अच्छा होता कि इस सलाह पर अमल की शुरुआत अगर उन्हीं से होती। जिन नौ वर्षों के दौरान के विपक्ष के रवैये से मोदी व्यथित नजर आये, उसे अगर उन्हीं के बरक्स देखें तो उनका यह वक्तव्य एक बड़े विरोधाभास से कतई कम नजर नहीं आता। अमूनन मीडिया से भागने वाले मोदी अब संसद का सत्र प्रारम्भ होने पर इस तरह से मीडिया के समक्ष संक्षिप्त से उद्बोधन के लिये नमूदार होने लगे हैं। कम से कम इसका स्वागत तो किया ही जा सकता है। और भी बेहतर होता अगर वे पिछले सभी प्रधानमंत्रियों की परम्परा का निर्वाह करते हुए सत्र की शुरुआत के वक्त प्रेस कांफ्रेंस करते। पत्रकारों से सवाल आमंत्रित करते और उनके जवाब देते। अपने दो कार्यकालों के दौरान यह शायद चौथा या पांचवा मौका रहा होगा जब वे मीडिया के सामने आये। एक ओर तो वे पत्रकारों से बात ही नहीं करते, तो वहीं दूसरी ओर संसद में उनकी उपस्थिति बहुत कम होती है। संसदीय परम्परा के ही अनुसरण में सारे पूर्व प्रधानमंत्री पूरे समय संसद के दोनों सदनों में हाजिर रहा करते थे। मोदी संसद के सत्रों के दौरान सदन के बाहर सभाएं या रैलियां करते फिरते हैं। शून्य काल या प्रश्न काल में वे नजर ही नहीं आते। अक्सर चर्चा खत्म होने के बाद वे आते भी हैं तो उनके भाषणों में विपक्ष के सवालों के सिलसिलेवार या तार्किक जवाब नहीं

होते और न ही देश की चिंताओं को वे एड्रेस करते नजर आते हैं। तमाम महत्वपूर्ण विधेयक वे चर्चा के बगैर पास कराते हैं। कोई अगर सवाल करे तो वे या तो उस पर बात ही नहीं करते या फिर ऐसे मुखर सदस्यों की आवाज को अपने सांसदों के शोर–गुल में दबवा देते हैं। इस पर भी उनके लिये उठाये जाने वाले अड़चन भरे सवालों या बयानों को संसदीय कार्यवाही से विलोपित कर दिया जाता है या सदस्यों को ही निलम्बित करा दिया जाता है। इस पर भी मन न भरे तो उनके यहां केन्द्रीय जांच एजेंसियां दस्तक देने लगती हैं। सर्वदलीय बैठक जूनियर मंत्रियों के हवाले कर वे स्वयं बाहर सभाएं करते हैं। सरकार की त्रुटियों पर विपक्ष के विचार आमंत्रित करने का औदार्य दिखलाने वाले ये वही मोदी हैं जो अपनी आलोचना को विरोधियों द्वारा गालियां देना भी बतलाते रहे हैं। ऐसा वे संसद के बाहर व भीतर दोनों जगहों पर करते हैं। उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी या फिर चीन की भारतीय सीमा में घुसपैठ की बात की जाये तो वे इसे देश पर हमला बतलाने लगते हैंय और अगर नोटबन्दी या जीएसटी की असफलताओं पर विपक्ष बात करे तो उसे देशविरोधी करार दिया जाता है। पिछले 70 वर्षों का बिला नागा रोज हिसाब मांगने वाले मोदी से सम्बन्धित कोई सवाल अगर हो तो वे उन्हें मिलने वाली गालियों की संख्या बतलाने लगते हैं। या वे इस बात का रोना रोते हैं कि उन्हें क्या–क्या कहकर और कितने किलो गालियां दी गईं। अगर प्रधानमंत्री खुली चर्चा के इतने ही हिमायती हैं तो उन्हें अपने सांसदों, पार्टी प्रवक्ताओं, आईटी सेल, ट्रोल आर्मी से कहकर विपक्ष की आवाज दबाने के लिये चलाए जा रहे अभियानों को रुकवाना चाहिये। सब जानते हैं कि ऐसा होना सम्भव नहीं है क्योंकि यह मोदी व उनकी भारतीय जनता पार्टी का विपक्ष के खिलाफ एक बेहद अलोकतांत्रिक अभियान का हिस्सा है। मजबूत प्रतिपक्ष की वकालत कर उसे खुली चर्चा का न्यौता ऐसा कोई व्यक्ति दे ही नहीं सकता जो देश को उसकी सबसे पुरानी और आजादी के आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाली कांग्रेस से ही मुक्त होने का न केवल सपना दिखाए बल्कि उसका नारा भी दे और ऐसा करने के तमाम अलोकतांत्रिक कदम उठाये। खुद मोदी कांग्रेस एवं सम्पूर्ण विपक्ष को अनेक प्रकार से बदनाम करने के अभियानों का (सफल) नेतृत्व करते आये हैं। वैसे जब प्रधानमंत्री संसद भवन को श्लोकतंत्र का मंदिरश बतलाते हुए विपक्ष को ज्ञान दे रहे थे तो उनकी भाव–भंगिमा में विनम्रता व सहजता नहीं थी। सम्भवतरू वे कांग्रेस पर खास तौर पर तंज कसने और उसका मखौल उड़ाने के लिये प्रकट हुए थे। ऐसा उन्होंने पहली बार नहीं किया। संसद के दस्तावेजों में उनके ऐसे अनेक भाषण संरक्षित होने चाहिये जो विपक्ष एवं राष्ट्र निर्माताओं के लिये अपमानसूचक शब्दों से भरे पड़े हैं। उनका यही रवैया सदन के बाहर दिये जाने वाले भाषणों में भी रहता है। बहुत पीछे जाकर उनके पुराने वक्तव्यों को उद्धृत करने की बजाये हाल के उनके कुछ बयानों को देखें तो उनका व्यवहार उनकी इस ताजा सीख से एकदम अलग है। पुरानी संसद से नये भवन में जाने के पहले उन्होंने इसी जगह पर कहा था कि श्विपक्ष रोना–धोना छोड़कर नयी शुरुआत करे।श रोने–धोने से उनका आशय वही था जो इस बार की नकारात्मकता से है। यानी उन्हें असहज करने वाले प्रश्न न पूछे जायें और सरकार की हां में हां मिलाई जाये। मोदी की सकारात्मकता का यही आशय है। फिर, सवाल पूछने वाले उनके लिये श्मूर्खों के सरदार भी हो जाते हैं। अधिक पीछे गये बगैर मोदी के पिछले नौ वर्षों के राजनैतिक सफर को देखें तो कह सकते हैं कि सकारात्मकता अपनाने का जो संदेश वे दे रहे हैं उसकी शुरुआत उन्हीं से किये जाने की सख्त जरूरत है। आजाद मुल्क के गौरवशाली संसदीय इतिहास व लोकतांत्रिक विरासत को हमेशा गरियाने और विपक्ष विहीन भारत का नारा बुलन्द करने वाले मोदी ने जो बातें सोमवार को संसद भवन की दहलीज पर कीं, उसके एक छोटे से हिस्से पर भी वे अमल करें तो देश का न केवल लोकतंत्र बचा रहेगा वरन देश भी बच जायेगा।

इंडिया ब्लॉक को विधानसभा चुनाव नतीजों से उचित सबक लेना होगा

नित्य चक्रवर्ती

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणाम अप्रैलधमई 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों से ठीक चार महीने पहले भाजपा विरोधी विपक्ष को अशुभ संकेत भेज रहे हैं। तीन उत्तर भारतीय राज्यों– मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के हाथों कांग्रेस की हार एक आपदा है। भाजपा की इस भारी जीत का प्रभाव राष्ट्रीय फलक पर बीआरएस को हराकर तेलंगाना में कांग्रेस की जीत को बेअसर कर देगा। राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों से कई सबक मिलते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है देश के इन तीन प्रमुख राज्यों में मतदाताओं के राजनीतिक मूड में भाजपा के पक्ष में स्पष्ट बदलाव। यह सीमांत नहीं है, यह बहुत अधिक है। चुनाव प्रचार के अंतिम समय तक यह धारणा थी कि इस साल मई में हिमाचल और इससे भी अधिक कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस को चुनावी लड़ाई में बढ़त मिल रही है। 3 दिसंबर के नतीजों से पता चला है कि हवा भाजपा के पक्ष में बदल गई है और इससे हिंदी भाषी राज्यों में 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के पलटवार की संभावना कम हो गई है। आइए इन तीन राज्यों में पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर नजर डालते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल 65 सीटों में से भाजपा को 61 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस को मात्र 3 सीटें ही मिली थीं। यह परिणाम 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद आया था जिसमें कांग्रेस ने तीनों राज्यों में भाजपा को हरा दिया था। 2019 के लोकसभा नतीजों को कई लोगों ने नरेंद्र मोदी फैक्टर का जिक्र करके समझाया। अब लोकसभा चुनाव की पूर्वसंध्या पर इन तीनों राज्यों में से किसी में भी कांग्रेस की सरकार नहीं है। मोदी फैक्टर को छोड़ दें, केवल राज्य चुनाव प्रचार के आधार पर, कांग्रेस के पास इन तीन राज्यों में मतदाताओं को देने के लिए कुछ भी नया नहीं होगा। 2024 के चुनावों में हिंदी भाषी राज्यों में बदलाव कांग्रेस पार्टी के लिए अपनी लोकसभा सीटों को वर्तमान 52 से बढ़ाकर 120 से अधिक करने के लिए महत्वपूर्ण है, जो कि प्रमुख विपक्षी दल के लिए भारत ब्लॉक में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए न्यूनतम है, यदि भाजपा को केन्द्र की सत्ता से बेदखल करना है तो। 2003 के विधानसभा चुनावों में सभी राज्यों में हार के बावजूद, 2004 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने इन तीन राज्यों में अच्छा प्रदर्शन किया। वह बीस साल पहले की बात है और प्रधानमंत्री के रूप में कोई नरेंद्र मोदी नहीं थे। कांग्रेस को गंभीरता से आत्मनिरीक्षण करना होगा और देखना होगा कि अगले कुछ महीनों में धारणा को कैसे बदला जा सकता है।

3 दिसंबर के नतीजे मतदाताओं के मूड में एक स्पष्ट दक्षिण–उत्तर विभाजन का संकेत देते हैं। आम तौर पर, पिछला इतिहास बताता है कि एक बार जब कांग्रेस को किसी क्षेत्रीय पार्टी सत्ता से हटाती है, तो सबसे पुरानी पार्टी कभी भी अपने दम पर सत्ता में वापस नहीं आती। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, झारखंड और यहां तक कि बिहार के साथ भी यही स्थिति रही है। तेलंगाना में, यह प्रवृत्ति उलट गई है और इससे कांग्रेस आलाकमान को दक्षिण भारतीय राज्यों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और केरल में अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य मिल सकते हैं।

कांग्रेस पार्टी के लिए दिक्कत यह है कि दक्षिणी राज्यों से उसे लोकसभा में ज्यादा सीटें मिलने की गुंजाइश कम है। पार्टी को सबसे ज्यादा फायदा हिंदी भाषी राज्यों से होना है क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में प्रदर्शन सबसे निचले स्तर पर था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अलावा, अन्य हिंदी भाषी राज्य बिहार, झारखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार और झारखंड में कांग्रेस पहले से ही गठबंधन सरकार का हिस्सा है। ताजा नतीजे इन गठबंधन राज्यों में अपने सहयोगियों से अधिक लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस की सौदेबाजी की शक्ति को कम कर देंगे। जहां तक इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का सवाल है, नतीजों ने खतरा भी पैदा किया है और कुछ अवसर भी। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में अच्छी जीत की उम्मीद कर रही थी और उस आधार पर, 2024 के चुनावों के लिए सीट बंटवारे के संबंध में बेहतर सौदेबाजी की शक्ति के साथ आगामी विपक्षी गठबंधन बैठक में भाग लेने की योजना बना रही थी। वह लाभ अब नहीं रहेगा। अपमानित और निराश कांग्रेस नेतृत्व सीट बंटवारे के फॉर्मूले सहित विधानसभा चुनाव के बाद की रणनीति पर चर्चा करने के लिए 6 दिसंबर को इंडिया ब्लॉक की बैठक में भाग लेगा। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में सहयोगियों के लिए भाजपा की चुनौती कड़ी होगी। खासकर बिहार में यह अपने चरम पर पहुंचेगा जहां भाजपा के सभी हमलों के केंद्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होंगे। भाजपा यह सोचकर कि जाति जनगणना की मांग को तीन राज्यों में मतदाताओं ने खारिज कर दिया है, आने वाले महीनों में नरेंद्र मोदी की गारंटी के आधार पर जोरदार प्रचार करेगी। जद(यू) और राजद दोनों स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं। कांग्रेस को राज्य चुनाव से पहले अपने पहले के अनुमानों के विपरीत कम संख्या में सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का होगा इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला। हाल के हफ्तों में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। यह इस विश्वास का परिणाम था कि पार्टी विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। अब, अखिलेश कांग्रेस पर अपनी शर्तें थोप सकते हैं, तथा अन्य सहयोगी निश्चित रूप से उनका समर्थन करेंगे। अखिलेश इस बात से भी चिंतित हैं कि हिंदी पट्टी में भाजपा की जीत निश्चित रूप से राज्य भाजपा को उत्साहित करेगी जो 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के कारण पहले से ही लाभप्रद स्थिति में है। संक्षेप में, हिंदी भाषी राजनीतिक परिदृश्य इंडिया गुट के लिए अनुकूल नहीं हैं।

आज का राशिफल

मेष :– भावुकता वश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। पूर्वाग्रह वश अपने निकटस्थ सम्बन्धों के बारे में गलत धारणा पालना ठीक नहीं। सम्बन्धों की मधुरता हेतु आपस में विास कायम करें।

बृषभ :– व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं। अत्यधिक भावुकता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। भौतिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होगा।

मिथुन :– किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें। मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

कर्क :– समाजिक मान–सम्मान व वर्चस्व में बृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंह :– नये कायरे में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने की अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी।

कन्या :– रोजगार के क्षेत्र में किये गये कर्म का फल सफलता का आगाज कर रहा है। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा।

तुला :– प्रणय सम्बन्ध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ ब्याकुल होगा। किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनों के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक :– अच्छे अवसरों का लाभ उठानें में सक्षम बनें। जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा।

धनु :– भावुकतावश किसी सम्बन्धी की बातें मन को कष्ट पहुचा सकती हैं। अपने अन्दर नए उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए सम्बन्धों को सुधारने की चेष्ठा करें। कार्य क्षेत्र में नये आसारों से उत्साहित होंगे।

मकर :– उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस–पास के वातावरण में महत्ता तो बढ़ाएगा। रोजगार में अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा। महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे।

कुंभ :– परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। परिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी। कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में प्रयत्न सार्थक होगा।

मीनः– सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख–साधनों की लालसा में व्यय के योग हैं। जीविका क्षेत्र में परिश्रम सार्थक होगा। भावना प्रधान मन जल्द ही दूसरों से प्रभावित हो जाता है।

डायट परिसर में मतदाता पंजीकरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हर वोट है जरुरी, कोई भी पात्र मतदाता बनने से न छूटे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।—जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी अनुज कुमार झा के निर्देशन में चल रहे स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचन साक्षरता क्लब जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जौनपुर द्वारा डायट परिसर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके माध्यम से लोगों को मतदाता बनाने और लोगों में निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने के लिए जागरुक किया गया।

इस अवसर पर डायट प्रशिक्षुओं ने पोस्टर, स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से वोटर बनने के लिए लोगों को प्रेरित किया। वोटर जागरुकता हेतु प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत नाटक आकर्षण का केंद्र रहा।

इस अवसर पर उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डायट डा विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि युवा, भावी पीढ़ी ही इस देश के भविष्य हैं और आप लोगों का एक—एक मत देश का भविष्य निध्ारण करेगा। और आप वोट तभी दे सकते हैं जब वोटर लिस्ट में आपका नाम होगा, इसलिए जिन्होंने भी 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है या 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष के हो जायेगें वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाये। मात्र दो दिन शेष है 9 दिसम्बर 2023 तक ही वोटर बनने हेतु नामांकन का कार्य होगा। हर वोट जरुरी है कोई भी पात्र मतदाता बनने से न छूटने पाये। उन्होंने अध्ययनरत सभी छात्र छात्राओं को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि अपने साथ ही परिवार व आसपास के लोगों को भी वोटर बनने के लिए प्रेरित करें। तथा आगामी लोकसभा चुनाव में शतप्रतिशत मतदान करने के लिए लोगों को जागरुक करते रहे। वरिष्ठ प्रवक्ता डा आर एन यादव ने कहा कि महिला पुरुष, तृतीय लिंग व दिव्यांग सभी पात्र लोगों का मतदाता होना जरुरी है विशेषकर युवाओं व महिलाओं को मतदाता बनने के लिए जागरूक करें। मतदाता बनने के लिए वोटर हेल्पलाइन ऐप या वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 9 दिसम्बर तक ही दावे व आपत्ति प्राप्त किया जाएगा। उन्होंने छात्र छात्राओं को वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड कराया जिससे छात्र अन्य लोगों को वोटर बनाने के लिए जागरूक कर सकें। स्वीप नोडल डायट नवीन सिंह ने लोगों को मतदाता बनने की शपथ दिलाई। संचालन जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डा शैलेश कुमार, राजकुमार, नीरज मणि त्रिपाठी, विनय कुमार यादव, मंजूलता यादव, किरन त्रिपाठी, अमित कुमार, वरुण कुमार हयूमाना संस्था से डा चन्द्रशेखर आदि सहित डायट के प्रवक्ता व डायट प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

इंडिया की बैठक में जाने से मना कर फिर छेड़ा पीडीए का राग

एनडीए को हरायेगा पीडीए : अखिलेश

एजेन्सी

लखनऊ। हालिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शिकस्त के बाद इंडिया गठबंधन में दरारें नजर आने लगी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छह दिसंबर को गठबंधन की बैठक बुलाई थी, जिसमें सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जाने से इनकार दिया। उन्होंने एक बार फिर से पीडीए के नारे को बुलंद किया है।अखिलेश ने कहा कि एनडीए को पीडीए ही हर सकता है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस से गठबंधन नहीं होने के बाद से ही अखिलेश यादव कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं। चुनाव के दौरान भी दोनों दलों के बीच काफी बयानबाजी देखने को मिली थी, खुद सपा अध्यक्ष कांग्रेस पर सीधा वार करते दिखाई दिए और अब जब कांग्रेस को इन चुनावों में जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा है तो अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन को छोड़ते हुए एक बार फिर पीडीए के दम पर एनडीए को हराने का दावा किया है। इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने से इनकार के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक मिलकर एनडीए को हरा सकते हैं।ये एक सामाजिक आंदोलन हैं. उन्होंने लिखा, पीडीए ही एनडीए को हरायेगा।पीडीए सामाजिक आंदोलन है। सामाजिक न्याय का संघर्ष है।अखिलेश यादव पिछले काफी समय से पीडीए का नारा बुलंद कर रहे हैं। उनका कहना है कि पीडीए में ही इतनी ताकत है कि जिसके जरिए एनडीए को हराया जा सकता है। वो लगातार जातीय जनगणना कराए जाने की भी मांग करते आ रहे हैं। उनका दावा है कि जब भी सपा की सरकार आएगी तो सबसे पहले जातियों की गिनती कराई जाएगी। सपा अध्यक्ष 2024 से पहले इस मुद्दे को और मजबूती से उठाने की तैयारी कर रहे हैं।

ड्राइवर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

एजेन्सी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने कमरे में अंगौछा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह जागने पर परिजन की नजर पड़ी तो शव को फंदे से नीचे उतार कर अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नौ लोगों पर अश्लील हरकत करने सहित डकैती का केस दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बदलापुर कोतवाली पुलिस न्यायालय अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन न्यू कोर्ट के आदेश से ग्राम पंचायत ढेमा के नौ लोगों पर मारने — पीटने , गाली गलौज देने, जान से मारने की धमकी देने सहित अश्लीन हरकत करने तथा डकैती डालने का केस दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही में जुटी है। घटना 17 अक्टूबर सुबह दस बजे की है। ढेमा गाँव की अंजू पुत्री स्व० रामधारी का आरोप है कि वह अपनी जमीन पर मकान निर्माण कर रही थी कि गाँव के लालसाहब यादव, वृजेश यादव, हर्षित यादव, रामचन्दर यादव, रंग बहादुर यादव, यशस्वी उर्फ नितिन यादव, सावित्री पत्नी रामचंदर, संजू पत्नी लालसाहब, तथा सोनी पुत्री लालसाहब एक राय होकर पूर्व नियोजित आपराधिक षडयंत्र के तहत लाठी डंडा टेंगारी व रिवाल्वर से लेश उनकी जमीन पर कब्जा करने लगे। उन्होंने जब विरोध किया तो लोग उन्हें मारने पीटने व गाली गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। भय से वह जान बचाने की गरज से जब अपने घर में भागी तो उपरोक्त लोग घर में घुस कर मारने लगे। उनके चिल्लाने पर उन्हें बचाने के लिए जब गाँव वाले आए तो उन्हें भी लोग मारने पीटने लगे। इस दौरान उपरोक्त लोग उनका कपड़ा फाड़ते हुए अश्लील हरकत करने लगे। जब वह शर्म से वहाँ से दूसरे कमरे में भागी तो उपरोक्त लोग उनका बक्शा तोड़ कर गले का हार कान की बाली, छागल, मांगटीका, मीना आदि आभूषण सहित पांच हजार रुपये नकदी लूट कर भाग गये। थानाध्यक्ष संतोष पाठक ने बताया कि केस दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

रिहायशी मड़हा फूंकने के आरोप को लेकर दो पक्षों में चले लाठी डंडे, तीन घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव में रिहायशी मड़हा फूंकने के आरोप को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडे चले। जिसमे तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।

बुधवार की देर रात में जफराबाद थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव निवासी राजेश कुमार के रिहायशी मड़हे में अचानक आग लग गयी। राजेश कुमार ने पड़ोस के ही राजदेव के ऊपर आग लगाने का आरोप लगाने लगा। जिस बात को लेकर दोनों पक्षों में देर रात्रि में ही गाली गलौज होते— होते लाठी डंडे चलने लगे। जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक पक्ष से राजदेव गौतम 56 दूसरे पक्ष से राजेश कुमार 54 अनिल 30 घायल हो गए। राजदेव का सिर फट गया। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुच गयी। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। तथा रात में ही तीन लोगों को हिरासत में ले लिया।

इस मामले में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक जफराबाद किशोर कुमार चौबे ने बताया कि मामले में अभी तहरीर नही मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

शौच करने गयी बृद्ध महिला को सांड ने मार डाला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। महराजगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरूवार सुबह शौच करने गयी बृद्ध महिला को सांड़ ने अपनी सींग से चोक —चोक कर कर मार डाला !

प्राप्त जानकारी अनुसार क्षेत्र के चरियाही गांव निवासी 72 वर्षीय बृद्धा मरजादी देवी पत्नी राम किशोर यादव को गुरूवार हो रही बूदाबांदी में सुबह करीब साढे चार बजे घर के पीछे खेत मे शौच करने लाठी के सहारे गयी थी शौच कर ही रही थी उसी समय सांड ने उस बृद्ध महिला पर हमला कर दिया ! सांड के हमले से बृद्घ महिला के पेट व कनपटी पर सींग के कई घाव हो गये जिनकी वही मौके पर ही मौत हो गयी ! दर्दनाक मौत से घर में कोहराम मच गया ! मृतक महिला के पुत्र नंदलाल यादव ने बताया कि इस काले रंग के आवारा सांड ने कई लोगो पर प्राण घातक हमला कर चुका है ! ग्रामीणो का कहना है कि करीब 6माह से चरियाही मिनी स्टेडियम के इर्द गिर्द सीवान घूम रहा काले रंग सांड भोर और देर शाम होती है हमला करता है इस सांड़ ने स्टेडियम के बगल रह रहे श्रीराम यादव पर प्राण घातक हमला किया था किसी तरह वे गिरते भागते घर के भीतर तख्त के नीचे घुसकर अपनी जान बचाई ! इसी तरह रामराज यादव पर भी हमला उन्हे चोटहिल कर दिया ! नव युवक अशोक यादव ने भी बताया कि सांड के हमले से वे स्वयं घायल हो गये थे ! गांव के चन्द्रभान यादव ने बताया एक सप्ताह पहले उनकी दूधारू गाय को वही सांड सींग धंसा धंसा कर मार डाला ! ग्रामीण सांड के आतंक से बहुत ही भयभीत हो चुके है।

जी.बी. पन्त पालीटेक्निक में अंग्रेजी की राजपत्रित प्रवक्ता का अंग्रेजी ज्ञान निल बटा सन्नाटा

एजेन्सी

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ की मोहान रोड स्थित जी. बी. पन्त पालीटेक्निक में अंग्रेजी के राजपत्रित प्रवक्ता पद पर काम कर रही श्रद्धा सक्सेना पर उनके विषय अंग्रेजी का ही ज्ञान नहीं होने का गंभीर आरोप लग रहा है. लखनऊ के राजाजीपुरम क्षेत्र निवासी समाजसेविका और पूर्व में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के आरटीआई प्रकोष्ठ की प्रदेश उप प्रभारी रह चुकीं उर्वशी शर्मा ने श्रद्धा द्वारा बीते 05 दिसम्बर को संस्था के प्रधानाचार्य को संबोधित हस्तलिखित छुट्टी के प्रार्थना पत्र की त्रुटियों के आधार पर इस प्रवक्ता पर यह गंभीर आरोप लगाया है और सूबे के सीएम योगी समेत तमाम अधिकारियों को शिकायत भेजकर श्रद्धा को राज्य सरकार के अनिवार्य सेवानिवृत्ति के शासनादेशों और नियमों के तहत सरकारी सेवा से बाहर करने की कार्यवाही आरम्भ कर शीघ्रातिशीघ्र अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान करने की मांग कर डाली है। बताते चलें कि यह पालीटेक्निक सूबे का एकमात्र ऐसा पालीटेक्निक है जो समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित है. सूबे के बाकी सभी पालीटेक्निक प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित हैं. जी. बी. पन्त पालीटेक्निक बहुतायत अनुसूचित जाति—जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के शिक्षण के लिए आरक्षित हैं। उर्वशी बताती हैं कि छुट्टी के प्रार्थना पत्र जैसा साधारण पत्र भी सही और शुद्धता से लिख पाने में नितांत अक्षम प्रवक्ता अंग्रेजी श्रद्धा सक्सेना को उनकी इस मानसिक अक्षमता के चलते ही अनिवार्य सेवानिवृत्ति देकर सेवा से बाहर करने के लिए उन्होंने देश हित,समाज हित,लोक हित तथा सरकार हित में मांग उठाई है।

निरीक्षण में कई कर्मचारी मिले अनुपस्थित, कुलपति नाराज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में तैनात कर्मचारी तब हलकान हो गए जब उन्हें सूचना मिली कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह गुरुवार को अलग—अलग विभागों का निरीक्षण करने के लिए पहुंच गई हैं कई कर्मचारी अपने टेबल पर मौजूद नहीं रहे जिसको देखकर प्रोफेसर वंदना सिंह नाराज देखी। चर्चा है कि इन कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओं नोटिस भी जारी की जाएगी।

बता दे कि गुरुवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह आपने कार्यालय में पहुंचने से पहले ही वह प्रशासनिक भवन के शैक्षणिक विभाग,संबद्धता विभाग,कुलसचिव कार्यालय ,परीक्षा विभाग,पीएचडी विभाग और विकास सेल का निरीक्षण किया। इस दौरान कई कर्मचारी अपने टेबल पर मौजूद नहीं रहे जिसको लेकर कुलपति ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। चर्चा है कि इन कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओं नोटिस भी जारी की जाएगी। मौजूद कर्मचारियों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपनी ड्यूटी को समझे छात्रों की प्राथमिकता सबसे पहले दे। फाइलों को अपनी टेबलों पर 3 दिन से अधिक समय तक ना रोक जिससे फाइलों का बोझ ने बने। समय से काम निपटाना ही कर्मचारियों की पहली प्राथमिकता है।

निर्माण कार्य प्रारम्भ होने की तिथि मिलने के बाद भी एनएच निर्माण का काम नहीं हुआ शुरू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मीरगंज थाना क्षेत्र के मछलीशहर—वाराणसी एनएच 731 बी का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने की तिथि मिलने के बाद भी सम्बंधित कम्पनी द्वारा निर्माण कार्य नही शुरू कराया जा सका है जिससे निर्माण कार्य पूरा होने मे देरी की संभावना बनी हुई है वही एनएच विभाग द्वारा मछलीशहर जंघई सडक को वर्तमान मे गड्ढा मुक्त करा दिया गया है जिससे लोगो को कुछ राहत जरुर मिली है। मछलीशहर से भदोही होते हुए वाराणसी तक एनएच 731 बी निर्माण के लिए 2017 मे ही परिवहन एवं सड़क मंत्री नितिन गडकरी ने तत्कालीन भदोही सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त के प्रयास से घोषणा की थी जिसके बाद इसका असली जामा 2022 मे ही पहनाया जा सका। 2022 मे ही नितिन गडकरी ने मछलीशहर मे सडक का शिलान्यास करके भदोही तक एनएच निर्माण के लिए 640 करोड का बजट भी पास कर दिया इसके बाद सर्वे का काम होने के बाद 2023 मे स्वास्तिक कन्ट्रक्शन कम्पनी नवी मुम्बई को ठेका भी मिल गया उसके बाद मुआवजा वितरण का काम भी शुरू करा दिया गया अब पेड़ काटने और बिजली के पोल को हटाने का काम शुरू कराया गया है इसी दौरान एनएच विभाग ने 1 दिसम्बर 2023 को सम्बन्धित ठेकेदार को निर्माण प्रारम्भ करने की तिथि भी दे दी गयी इसके बाद भी एक सप्ताह बाद भी अब तक सम्बंधित कम्पनी द्वारा निर्माण कार्य नही शुरू कराया जा सका है। जिससे समय से काम पूरा होने की संभावना भी नहीं दिख रही है इधर जिस मछलीशहर जंघई सडक से होकर गुजर रही एनएच सडक को गड्ढा मुक्त कर दिया गया है जिससे राहगिरो को कुछ सहूलियत मिली है।

अवर अभियन्ता एनएच ओपी प्रसाद का कहना है की सम्बंधित कम्पनी को निर्माण प्रारम्भ करने की तिथि 1दिसम्बर दी गयी है साथ मे ही मछलीशहर जंघई सड़क को वर्तमान मे गड्ढा मुक्त करा दिया गया है।

अब बच्चों का बनेगा अपार कार्ड

एजेन्सी

लखनऊ। आधार कार्ड अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। राशन की दुकान से लेकर सिम कार्ड लेने तक में ये काम आता है। अब ऐसा ही एक और कार्ड सरकार आपके बच्चों के लिए बनाने जा रही है।ये आने वाले समय में उनकी स्कूल की पढ़ाई—लिखाई से लेकर कॉलेज में एडमिशन लेने और नौकरी ढूंढने तक में मदद करेगा। इसका नाम सरकार ने 'अपार आईडी कार्ड' रखा है।भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने 'अपार आईडी कार्ड' बनाने की शुरुआत की है।ये देशभर में स्कूली छात्रों का पहचान पत्र होगा। इसे ' एक राष्ट्र, एक विद्यार्थी कार्ड' भी कहा जाता है।सरकार जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई है उसके हिसाब से ही 'अपार कार्ड' बनाना शुरू किया है।'अपार कार्ड' का फुल फॉर्म 'ऑटोमेटेड परमानेंट अकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री' है। सरकार स्टूडेंट का 12 अंकों एक ऐसा आईडी कार्ड बनाएगी जो बचपन से लेकर उनकी पढ़ाई खत्म होने तक स्थायी रहेगा।उनके स्कूल बदलने पर भी उनकी 'अपार आईडी' एक ही रहेगी। ये उनके आधार कार्ड से अलग होगा और आपस में लिंक होगा।

अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए 19 व 20दिसंबर को नामांकन एवं 29 दिसंबर को होगा मतदान

अधिवक्ता संघ का कार्य काल दिसंबर में होगा समाप्त,नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर तहसील अधिवक्ता संघ का कार्यकाल चालू माह में समाप्त हो रहा है ।इससे पूर्व नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई।19 व 20 दिसंबर को नामांकन और 29 दिसंबर को मतदान एवम मतगणना होगी।

अधिवक्ता संघ भवन में हुई बैठक में सर्व सम्मति से एल्डर्स कमेटी का गठन किया गया।गठित कमेटी द्वारा चुनाव संबंधी प्रक्रिया की घोषणा की गई ।जिसमें मतदाता सूची का प्रकाशन 11 दिसंबर को होगा,आपत्ति 12दिसंबर को ली जाएगी, आपत्ति निस्तारण 13 दिसंबर को और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 14 दिसंबर को होगा।

पर्चा दाखिला 19 व20 दिसंबर को,पर्चा वापसी 21 दिसंबर को होगा।प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन 23 दिसंबर को होगा।मतदान व मतगणना की तिथि 29 दिसंबर निर्धारित की गई है। गठित एल्डर्स कमेटी के सदस्य ध चुनाव कमेटी की जिम्मेदारी केदार नाथ यादव,दिनेश चंद्र सिन्हा,अशोक कुमार श्रीवास्तव,राम आसरे दूबे व इंदू प्रकाश सिंह को दी गई है।एल्डर्स कमेटी के सदस्य जगदम्बा प्रसाद मिश्रा व राजेंद्र प्रसाद सिंह के त्याग पत्र देने के बाद राम आसरे दूबे व इंदू प्रकाश सिंह को एल्डर्स कमेटी में नए सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बैंक गार्ड की मौत

बदलापुर। कोतवाली क्षेत्र के सरोखनपुर गाँव में फोरलेन ओवरब्रिज के पास बदलापुर से घर जा रहे बैंक आफ बड़ौदा के सुरक्षा गार्ड ग्राम मछली गांव कोतवाली बदलापुर निवासी विवेक पाण्डेय 23 वर्ष की मौत हो गयी। घटना बुद्धवार रात की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विवेक रात को बाइक से बदलापुर से घर मछली गांव जा रहे थे। वह जैसे ही सरोखनपुर गाँव में फोरलेन ओवरब्रिज के पास पहुंचे थे कि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बुरी तरह घायल हो गये। घायला अवस्था में उन्हें सीएचसी लाया गया जहाँ डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। विवेक की अभी साल भर पूर्व शादी हुई थी। पिता रामचंद्र की मौत हो चुकी है। माँ मीना देवी तथा पत्नी रीतू का रोते रोते बुरा हाल है।

कुकरैल में 50 घरों पर चला बुलडोजर,महिलाएं रोती हुई मलबे से सामान बटोरती रहीं

एजेन्सी

लखनऊ। लखनऊ में कुकरैल नदी के किनारे बसे 50 घरों पर बुलडोजर चल रहा है। बुधवार सुबह लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अफसर फोर्स के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे। बुलडोजर को देखते ही भिकमपुर बस्ती के लोग जुट गए। सभी रास्ते को घेरकर खड़े हो गए। फिर पुलिस कर्मियों ने लोगों को किसी तरह से हटाया। इस दौरान एक महिला सड़क पर बैठ गई। इसके बाद प्रशासन ने लोगों को घर खाली करने को कहा। मगर जब किसी ने घर खाली नहीं किया, तो प्रशासन ने बुलडोजर चलवा दिया। रोते—बिलखते लोगों ने अफसरों से घरों को खाली करने का मौका मांगा। फिर प्रशासन ने लोगों को सामान खाली करने के लिए 2 घंटे की मोहलत दी। इस दौरान महिलाएं रोती हुईं मलबे से सामान बटोरती नजर आईं। उन्होंने कहा कि यह गांव हमारा है। अवैध बस्ती नहीं है। यहां सैकड़ों सालों से रह रहे हैं। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि यह अवैध अतिक्रमण है। कुकरैल नदी के किनारे 2000 से ज्यादा घर बने हैं। जिन्हें स्क।, नगर निगम,

पीडब्लयूडी और सिंचाई विभाग ने खाली करने का नोटिस दिया है। इसमें मंदिर—मस्जिद भी हैं। इससे पहले मंगलवार को स्क। और जिला प्रशासन की टीम कब्जा हटाने के लिए चेतावनी दी थी। तब भी लोगों ने जमकर विरोध किया। भिकमपुर के लोगों का आरोप है कि मकान खाली कराने के लिए जिला प्रशासन और एलडीए की टीम ने स्थानीय प्रशासन की बिजली काट दी। यही नहीं, पुलिस ने उनके साथ जमकर बदसलूकी की थी। बिना महिला पुलिस के साथ प्रशासन की टीम वहां पहुंची थीं। पुलिस वालों ने महिलाओं के साथ में अभद्र व्यवहार किया। उनका सामान हटाने के लिए कूड़ा गाड़ी लाई गई थी। लोगों ने कहा कि आज हम लोग भूखे रह गए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़े तक किसी ने भी खाना नहीं खाया। जिन घरों में खाना बन गया था, उन्हें फेंकने की नौबत आ गई। महिलाएं सुबह से रो ही रही हैं। कमल यादव ने बताया कि वह शादी के बाद यहीं आई थी। यह मकान उनके ससुर का है आजादी से पहले से वह यहां रहते आए हैं। अब अचानक अभियान चलाकर इस तरह से लोगों को बेसहारा करना सरकार की तानाशाही है। कृष्णकांत सिंह का कहना है, वह 35 साल से यहां पर रह रहे थे। सरकार की तरफ से जो मकान दिया भी जा रहा है, वहां तो सड़क ही खराब है और रहने लायक भी नहीं है। अब देखते हैं कि क्या कर सकते हैं? कहां जा सकते हैं? प्रशासन ने जिन लोगों को नोटिस दी गई है, उसमें से ज्यादातर लोग माइनॉरिटी और दलित क्षेत्र से आते हैं। अकबरपुर वाले इलाके में 80: आबादी माइनॉरिटी की है, जबकि भिकमपुरा इलाके में ओबीसी और दलितों की संख्या ज्यादा है। स्क। वीसी ने बताया, कुकरैल रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए कुल 1400 निर्माण को धराशाई किया जाएगा। जिसके लिए हमने ऑर्डर पास कर दिए हैं। करीब 70 लोगों को डूडा ने आवास आवंटित कर दिया है, उन्होंने अपना अलॉटमेंट लेटर भी प्राप्त कर लिया। प्रशासन का कहना है कि कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। इसलिए अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चल रहा है। हालांकि सौंदर्यीकरण शासन से अभी इसके लिए कितना बजट आए, यह तय नहीं हुआ है। लेकिन, नदी के दोनों किनारों को विकसित कर सौंदर्यीकरण करते हुए इको पर्यटन के हिसाब से डेवलप करने का प्रस्ताव है। इसके सौंदर्यीकरण के लिए रुड़की आईआईटी की टीम को नक्शा और बाकी प्रोजेक्ट तैयार करने का जिम्मा दिया गया है।

बाबा साहब ने दबे कुचले लोगों के हक व सम्मान के लिए आजीवन किया संघर्ष

एजेन्सी

लखनऊ। भारतरत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर निर्बल विकास जन कल्याण सेवा संस्थान के तत्वावधान में किला चौराहे के निकट बाबा साहब की प्रतिमा पर संस्थान के महासचिव रमेश सिंह रवि ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।बाबा साहेब के जीवन और संघर्ष विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्थान के महासचिव रमेश सिंह रवि ने की। इस अवसर पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माला अर्पण करते हुए महासचिव रमेश सिंह रवि ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के मौके पर कहा कि बाबा साहब ने अपने जीवन में देश के दबे— कुचले लोगों के हक व सम्मान के लिए संघर्ष किया ।

दीपोत्सव की सफलता पर कुलपति ने संयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने दीपोत्सव की सफलता पर समितियों के संयोजकों के साथ एक अनौपचारिक बैठक की जिसमें उन्होंने उनके प्रति आभार प्रकट किया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को सायं कुलपति प्रो0 गोयल ने समस्त संयोजकों से कहा कि सभी के सहयोग से दीपोत्सव में सफलता मिली है। योजनाबद्ध तरीके किए गए कार्य ने लक्ष्य को आसान कर दिया। बैठक में कुलपति ने अयोध्या के सातवें दीपोत्सव में विश्वविद्यालय के साथ महाविद्यालय, स्वयंसेवी संस्थाओं के स्वयंसेवकों ने एक टीम भावना के रूप में विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन की बदौलत ही ऐसा हो पाया। टीम में समय के साथ प्रतिबद्धता बहुत जरूरी है। इसी के परिणामस्वरूप दीपोत्सव का कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। दीपोत्सव–2023 के नोडल अधिकारी प्रो0 एसएस मिश्र ने दीपोत्सव की सफलता का श्रेय कुलपति को दिया। उन्होंने कहा कि इसमें सभी का परस्पर सहयोग रहा है। सभी समितियां अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निवर्हन किया है। बैठक में कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, परीक्षा नियत्रंक उमानाथ, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 फरूख्ख जमाल, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 महिमा चौरसिया, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, उपकुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, दिनेश कुमार मौर्य, मोहम्मद सहील, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 दीपशिखा चौधरी, प्रोग्रामर रवि प्रकाश मालवीय, अभियन्ता आरके सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

राम जी की परियोजनाओं ने अयोध्या को पहुंचाया प्रदेश में टाप पर

सदर के निबंधन कार्यालय में सवा सौ प्रतिशत का रिकार्ड उछाल

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या राम नगरी में जमीन की बढ़ती कीमतों से सदर के उप निबंधक कार्यालय की रजिस्ट्री से कमाई में सवा सौ प्रतिशत का उछाल आया है। नवंबर माह के लक्ष्य के सापेक्ष उसकी आय ने प्रदेश के टाप टेन जिलों में पहले पायदान पर उसे पंहुचा दिया।

सहायक महानिरीक्षक निबंधन वाईपी सिंह नवंबर माह में अयोध्या जिले के लक्ष्य 21 करोड़ 24 लाख रुपये के सापेक्ष 23 करोड़ 19 लाख 26 हजार रुपये सरकारी खजाने को मिलने की जानकारी देते हैं। प्रदेश के टाप टेन जिलों में सबसे ऊपर अयोध्या के होने की यह तस्वीर तब है जब सर्किल रेट अगस्त 2017 से नहीं बढ़ा है। छह वर्ष से इसके बढ़ने का इंतजार है। दरअसल, सर्किल रेट न बढ़ने के बावजूद प्रदेश में पहले नंबर पर आने की वजह राम मंदिर के निर्माण शुरू होने के बाद जमीनों की बढ़ी कीमतों के साथ सरकारी परियोजनाएं भी हैं।

एयरपोर्ट से लेकर कई परियोजनाओं के लिए जमीन की खरीद अब तक जारी है। रामनगरी में जमीन की कीमतें 20 से 25 लाख रुपये प्रति बिस्वा तक पहुंच गई हैं, जो दो वर्ष पहले तीन से पांच लाख रुपये थीं।

क्रेता सर्किल रेट से बढ़ी जिस कीमत पर कई गुना महंगी जमीन खरीद रहे हैं, उसी आधार पर स्टांप की अदायगी भी करते है,जिसने स्टांप से हुई आय ने जिले को प्रदेश के पहले स्थान पर पहुंचा दिया। रामनगरी में जमीन की बढ़ी कीमतों की यह तस्वीर उप निबंधक कार्यालय सदर की है।

नवंबर में सदर के उप निबंधक कार्यालय का लक्ष्य 11 करोड़ 77 लाख रुपये था,

जिसके सापेक्ष 14 करोड़ 84 लाख का राजस्व जुटा कर सवा सौ प्रतिशत का रिकार्ड उछाल दर्ज हुआ।

सोहावल का उप निबंधक कार्यालय लक्ष्य के करीब पहुंच 97 प्रतिशत पर रुक गया।

रुदौली, मिल्कीपुर व बीकापुर नवंबर के लक्ष्य से पीछे हैं।

माना जा रहा है कि राम मंदिर के लोकार्पण के बाद भी जमीन की कीमतें रुकने का नाम नहीं लेंगी। छह वर्ष से सर्किल रेट न बढ़ने का दर्द रजिस्ट्री कार्यालय के लिपिकों की जुबान पर है।

वे कहते हैं कि सर्किल रेट न बढ़ने से सरकारी खजाने को भी कम आय होती है। प्रस्तावित सर्किल रेट का अगर अनुमोदन हो जाता तो गुप्तारघाट से दशरथ समाधि तक अयोध्या बिल्वहरि बंधा के फोरलेन के लिए शुरू जमीनों की खरीद से सदर निबंधक कार्यालय का राजस्व डेढ़ से दो सौ गुना ऊपर जाना नवंबर में मुश्किल न होता।

आईआईटी व एनआईटी में शोध करेंगे पीयू के छात्र

गोविंद आईआईटी तथा वीरेंद्र व आलोक एनआईटी से करेंगे पीएच.डी.

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विभाग के उत्तीर्ण एम.एससी. छात्र गोविंद मौर्य का चयन पीएच.डी. के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर में हुआ है। गोविंद आईआईटी इंदौर के धातुकर्म एवं पदार्थ विज्ञान विभाग में शोध कार्य करेंगे। वहीं विभाग के एमएससी के दो अन्य छात्र वीरेंद्र कुमार व आलोक सिंह का चयन पीएच.डी. के लिए क्रमशरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र व राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में हुआ । शोध के दौरान तीनों छात्रों को उनके संस्थान द्वारा छात्रवृति भी प्रदान की जायेगी।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने छात्रों को बधाई दी तथा यह उम्मीद जताई की इसी तरह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र विश्वविद्यालय तथा अपने संस्थान व शिक्षकों का नाम रोशन करते रहेंगे। इस अवसर पर रज्जू भैया संस्थान के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार यादव ने भी चयनित छात्र को बधाई दी।

रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि विभाग के विद्यार्थी लगातार शिक्षकों के मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे है । इसके साथ ही रसायन विभाग के छात्र विभिन्न कंपनियों में भी अच्छे पदों पर चयनित हो रहे हैं । इस अवसर पर डॉ. अजीत सिंह, डा मिथिलेश यादव, डॉ. नितेश जायसवाल, डा. दिनेश कुमार वर्मा, डॉ. विजय शंकर पांडे समेत संस्थान व विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने बधाई दी।

अयोध्या शहर लालबाग वार्ड के सभासद के कार्य की लोग कर रहे सराहना

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या जिले में जहां चारों तरफ योगी सरकार के विकास के कार्य को तेज किया है और 2023 तक लगभग कार्य पूर्ण करने का संकल्प लिया है वही सभी विभागों द्वारा कार्य को तेजी से कराया जा रहा है सड़क निर्माण हो रेलवे निर्माण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का निर्माण हो नगर पालिका का कार्य हो सभी ने अपने कार्यों को जिम्मेदारी से पूर्ण रूप करने का संकल्प लिया है वही अयोध्या शहर के लक्ष्मी सागर वार्ड संख्या 48 की सभासद वकार अहमद के कार्य की सराहना वहां के लोग कर रहे हैं। सभासद वकार अहमद ने रेलवे विभाग के कार्य शुरू होने से लालबाग क्षेत्र में कई घर पानी की क्षेत्र में आ गए और कई घरों में पानी भी घुस गया था जिससे कई संक्रमित बीमारियां डेंगू जैसी बीमारियां फैलने का डर था जिससे आम जन मानस को खतरा था। जिसकी रोकथाम करने के लिए सभासद ने 24 से 36 घंटे के अंदर उसे क्षेत्र से पानी पूरी तरह निकलवा कर और कई बीमारियों को फैलने से रोक कर बहुत ही बड़ा सराहनीय कार्य किया है।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर डा. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर उनको श्रृद्धांजलि दी गई

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उनको श्रृद्धांजलि दी गयी, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन, महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, जिला महासचिव बख्तियार खान व महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान में अमीर, गरीब, छोटे, बड़े, सभी के लिए एक वोट का प्राविधान किया था, गरीबों, अनुसूचित जातियों एवं पिछड़ों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने की व्यवस्था के लिए उनके प्रयासों को भुलाया नहीं जा सकता है आज उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की जरूरत है, महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि को पूरे देश में 'महापरिनिर्वाण दिवस' के रूप में मनाया जाता है,वर्ष 1924 में उन्होंने दलित वर्गों के कल्याण हेतु एक संगठन की शुरुआत की और वर्ष 1927 में दलित वर्गों की स्थिति को उजागर करने के लिये बहिष्कृत भारत समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया। जिला महासचिव बख्तियार खान ने कहा कि डा अम्बेडकर जी ने दलित लोगों को उनकी अपनी स्थिति के बारे में राजनीतिक रूप से जागरूक करके, ब्रिटिश उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष में सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया। महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन, जिला महासचिव बख्तियार खान,महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम, जिला उपाध्यक्ष जय प्रकाश यादव, महानगर उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, प्रदेश सचिव छोटे लाल यादव, बब्बन प्रधान, महानगर सचिव जगन्नाथ यादव, विरेंदर गौतम, सुनील रावत, बृजलाल पासी, विधाभूषण पासी , राकेश कोरी, नागेश्वर कोरी, अखिलेश पांडे, सूर्यभान यादव, शैलेंद्र श्रीवास्तव, अजय रावत, ईशा कुरैशी , केशव कोरी,इत्यादि लोग मौजूद थे।।

प्रियांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बहादराबाद,हरिद्वार। रानीपुर राजकीय इंटर कॉलेज भेलपुरमें आयोजित जनपद स्तरीय मैथ विजार्ड एवं स्पेलिंग जीनियस प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय लाठर देवा हुन नारसन की प्रतिभावान दो बालिकाओं प्रियांशी तथा कृष्णा ने प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रियांशी तथा कृष्णा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरु अरविंद को दिया उन्होंने अपने संयुक्त संदेश में कहा कि जनपद स्तर पर हम दोनों को

पहचान दिलाने में अरविंद गुरु का महत्वपूर्ण योगदान है।

दोनों बालिकाओं की उपलब्धि पर ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लाठर देवा हुन अशोक चौधरी ने प्रशंसा व्यक्ति की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

यह दोनों चयनित छात्र राज्य स्तर प्रतियोगिता जो की देहरादून में आयोजित होगी उसमें हरिद्वार जनपद का प्रतिनिधित्व करेगी।

इस प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि की भूमिका मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार कमलेश कुमार गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि की भूमिका ब्लाक खंड शिक्षा अधिकारी खानपुर दीप्ति यादव ने निभाई कार्यक्रम के संयोजक तथा जिला समन्वयक सुधीर उनियाल एवं राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आनंद प्रकाश शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का आभार प्रकट किया।

प्रतियोगिता को संपन्न कराने में सतीश चंद्र, हेमलता, अरविंद कुमार तथा सुरेश चंद आदि शिक्षकों का योगदान रहा।

केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ में हिंदी स्मृति ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक) लखनऊ के तत्वावधान में और भारतीय रिजर्व बैंक लखनऊ के संयोजन में लखनऊ में स्थित सभी सरकारी बैंकों , वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के स्टाफ सदस्यों के लिए हिंदी स्मृति ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ के उप महाप्रबंधक संजय कुमार द्वारा की गई। इस अवसर पर केनरा बैंक के राजभाषा के पर्यवेक्षी कार्यपालक संजय कुमार त्रिवेदी, सहायक महाप्रबंधक भी उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री संजय कुमार, उप महाप्रबंधक महोदय ने भारतीय रिजर्व बैंक और नगर राजभाषा कार्यांवयन समिति बैंक लखनऊ को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि हमारे केनरा बैंक अंचल कार्य लखनऊ को इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन की व्यवस्था करने का जिम्मा दिया गया।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। इसके बाद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया । इस प्रतियोगिता में विभिन्न बैंक, वित्तीय संस्थान, और बीमा कंपनियों के लगभग 32 प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का संचालन शशि कांत पांडे, प्रबंधक द्वारा किया गया।

भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव सही मायने में चित्रांश समाज के गौरव हैं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। चित्रांश कल्याण समिति एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रेम शंकर लाल श्रीवास्तव ने पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव के आवास पर पहुंचकर कायस्थ गौरव सम्मान से सम्मानित किया और कहा कि गोंडा जनपद के पंकज कुमार श्रीवास्तव का सामाजिक जीवन बहुत ही अच्छा है तथा उन्होंने जनपद एवं प्रदेश ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारत के कई राज्यों में अपनी अलग पहचान बनाकर कायस्थ समाज को जागरूक करने का कार्य किया है। समिति के मीडिया प्रभारी अतुल श्रीवास्तव के अनुसार भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव सही मायने में चित्रांश समाज के गौरव हैं मिलनसार, मृदभाषी होने के साथ–साथ ओजस्वी वक्ता रेल यात्रियों एवं रेलवे कर्मचारी की समस्याओं के निराकरण हेतु हमेशा प्रयासरत रहते हैं तथा आम जनमानस को रेलवे द्वारा हर समय सुविधा प्रदान करने का कार्य करते रहते हैं, इसलिए आज हम चित्रांश कल्याण समिति के पदाधिकारी गण उनके निज आवास पर जाकर अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर कई चित्रांश बंधुओ ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी है वही चित्रांश कल्याण समिति के पदाधिकारी ने वरिष्ठ अधिवक्ता बृजेश श्रीवास्तव के आवास पर जाकर उन्हें सम्मानित किया।

अफसोस दिवस के रूप में मनाया गया बाबरी मस्जिद शहादत दिवस

एजेन्सी

लखनऊ। राजनीतिक सामाजिक संगठनों द्वारा ए पी कैन रोड, एम के प्लाजा, चारबाग में अफसोस दिवस के रूप में मनाया गया राष्ट्रीय समाजिक कार्य कर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद अफाक ने अपने संबोधन में कहा कि 6 दिसंबर बाबरी मस्जिद की शहादत दिवस है, और नफरत फैलाने वाले लोगों ने चुना है ।

'गुमटी का सटर तोड़कर चोरी करने वाले 04 नफर अभियुक्त को मय माल के किया गिरफ्तार'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या राजकरन नय्यर द्वारा अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत एवं पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर शैलेन्द्र सिंह के कुशल पर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाना स्थानीय पर वादी की तहरीर पर बावत वादी की गुमटी (दुकान) का सटर तोड़कर दुकान में रखा गुटखा, सिगरेट एवं गल्ले के रुपये चोरी कर लेने के सम्बन्ध में अभियुक्त 1. बिलाल खान पुत्र अकील खान 2.राहुल कुमार उर्फ पद्दन पुत्र मदनलाल तथा 02 नफर बाल अपचारी को मुखबिर की सूचना पर माल गोदाम रोड निकट रेलवे लाईन सहादत अली छावनी के पास से मय चोरी करते समय माल के साथ गिरफ्तार किया गया जिनके साथ अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अयोध्या में बांटा गया 141 स्टाफ नर्स को नियुक्ति पत्र

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या में जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की मौजूदगी में दशरथ मेडिकल कॉलेज में बांटा नियुक्ति पत्र बांटा गया ,

नियुक्ति पत्र पाकर स्टाफ नर्स उत्साहित हो गए, जिलाअधिकारी ने बयान दिया, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में 141 स्टाफ नर्स को नियुक्ति पत्र दिया गया और मुख्यमंत्री संदेश भी लोगों ने सुना, संदेश में बेहतर सेवा देने के लिए सीएम की तरफ से संदेश दिया गया जिसने बताया गया कि,दे सकेंगे हम बेहतर सेवा,अयोध्या में श्रद्धालुओं को व्यापक रूप से बढ़ी है संख्या,

श्रद्धालु के आगमन की दृष्टि से अस्पताल के साथ–साथ मेडिकल कॉलेज में मिलेगी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा,मेडिकल कॉलेज में रिसर्च क्षेत्र में बेहतर प्रयास करने का किया जाएगा काम, स्पेसिफिक बीमारियों पर किया जाएगा रिसर्च, अयोध्या एक पावन भूमि है एक बेहतर लोकेशन पर बना है मेडिकल कॉलेज,अपेक्षा है कि हमारे फैकल्टी मेंबर प्रिंसिपल स्टाफ नर्स अपेक्षा के अनुकूल बेहतर कार्य करेंगे।

लखनऊ मध्य और उत्तर विधान सभा क्षेत्र में महिला मतदाता कम

एजेन्सी

लखनऊ। मध्य और उत्तर विधान सभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या कम है।निरीक्षण को आए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने जाने से पहले हिदायत दी कि महिलाओं की संख्या सूची में बढ़ाने के लिए गंभीरता से प्रयास करें।वर्तमान में लखनऊ पश्चिम का लिंगानुपात 862, उत्तर का 873 और मध्य का 895 है।पूरे शहर की नौ विधानसभा क्षेत्रों की बात करें तो लिंगानुपात 882 है यानि प्रति 1000 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले इतनी महिला मतदाता हैं। मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए 2 और 3 को विशेष अभियान चलेगा। इसमें अधिक से अधिक ऐसी महिलाओं का आवेदन लिया जाएगा जिनके नाम अब तक मतदाता सूची में नहीं जुड़े हैं। इसके पूर्व चुनाव आयोग की टीम ने को लखनऊ उत्तर व लखनऊ मध्य में वोटर पंजीकरण केन्द्रों का निरीक्षण किया था।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।